B.A Part II(H)

Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
V.S.J College Rajnagar

Lecture IX

अनुसूचित जातियों के उत्थान हेतु सुझाव :) अनुसूचित जातियों का उत्थान तभी हो सकता है जब नियोजित रूप से उनका विकास किया जाए। इस दिशा में कुछ सुझाव कल्याणकारी सिद्ध हो सकते हैं जो इस प्रकार है -

1. विकेन्द्रीकरण आरक्षण ⇒ इसके अन्तर्गत जिन अनुसूचित जातियों के बच्चों को आरक्षण का लाभ मिल चुका है उन्हें पुनः आरक्षण का लाभ न दिया जाए जिससे अन्य SC परिवारों को आरक्षण का लाभ मिल सके।

2. शिक्षा का प्रसार ⇒ अधिकांश अनुसूचित जातियों के बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं उन्हें छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर स्कूल में वापस लाया जाए। साथ ही उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें तथा शिक्षा प्रदान की जाए।

3. स्वरोजगार को व्यावहारिक बनाना ⇒ SC के जो लोग अपने परम्परागत व्यवसाय को छोड़कर नये व्यवसाय करना चाहते हैं उन्हें उस व्यवसाय का प्रशिक्षण देने के साथ आर्थिक सहायता भी प्रदान

2020-8-4 14:10

(4) सफाई कर्मी के लिए नवीन उपकरण ⇒ सफाई कर्मी को अस्वास्थ्यकारी दशाओं में कार्य करना पड़ता है। सफाई करने के लिए नवीन उपकरण दिये जाए जिससे सफाई करने में कठिनाई न हो।

(5) महिलाओं को कुटीर उद्योगों का प्रशिक्षण ⇒ अनुसूचित जातियों की आर्थिक दशा में सुधार करने के लिए आवश्यक है कि नगरों तथा गांवों में महिलाओं को पशुपालन, मछली पालन, दुग्धशाला, रेशम पालन, कढ़ाई - बुनाई, खाद्य पदार्थों के संरक्षण, पापड़ बनाने आदि का प्रशिक्षण दिया जाए।

6. समुचित आवास की व्यवस्था ⇒ अनुसूचित जातियों में आवास की गम्भीर समस्या है। उसके समाधान के लिए आवास बनाकर या आवास बनाने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

7. अत्याचारों से रक्षा ⇒ गांवों में अनुसूचित जातियों पर अत्याचार रोकने के लिए एक समिति का गठन किया जाए।

8. जाति विरोधी राजनीति ⇒ अनुसूचित जातियों के विकास में वर्तमान राजनीतिक प्रवृत्तियां बहुत अधिक घातक है। इन्हें दूर किया जाना चाहिए।

इन सबके अतिरिक्त एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उच्च जातियों तथा अनुसूचित जातियों में विचारों का आदान प्रदान हो जिससे दोनों एक दूसरे का सम्मान करें।

2020-8-4 14:10